Totalbhakti.com

आरती श्री रामायण जी की

आरती श्री रामायण जी की

कीरति कलित ललित सिया पी की. आरती श्री ...

गावत ब्राह्मादिक मुनि नारद

बालमीक बिग्यान बिसारद.

सुक सनकादिक सेष अरु सारद

बरनि पवनसुत कीरति नीकी. आरती श्री ...

संतन गावत संभू भवानी

अरु घट संभव मुनि बिग्यानी

ब्यास आदि कबिबर्ज बखानी

कागभुसुंड़ि गरुड़ के ही की. आरती श्री ...

चारों बेद पुरान अष्टदस

छओं सास्त्र सब ग्रंथन को रस

तन, मन, धन संतन सरबस

सार अंस संमत सबही की. आरती श्री ...

www.totalbhakti.com

कलिमल हरनि विषय रस फ़ीकी

सुभग सिंगार मुक्ति ज्योति की

हरणी रोग भव मूरि अमी की

तात मात सब बिधि तुलसी की. आरती श्री ...

www.totalbhakti.com